जातीय पंचायत शासन व्यवस्था

- झारखंड मे विभिन्न प्रकार के गैर जनजातियां निवास करते हैं। जैसे– तेली, साहू , कुर्मी , महतो, मलिक, अंसारी आदि ।
- सभी जनजातियों की भांति विभिन्न जातियां में भी उनके जातीगत पंचायत होते है। इस पंचायत का निर्णय सभी को मानना आवश्यक होता है।
- शादी–व्याह ,मरनी–जननी या किसी विवाद का निपटारा जातिगत पंचयात मे किया जाता है।
- हर जातिगत पंचायत मे एक अध्यक्ष होते हैं जो सचिव और कार्यकारिणी के सदस्यों की सहायता से अपने कार्यो को पुरा करते है।
- जातिगत पंचायत के निर्णय को नही मानने वाले को दंडित किया जाता है उसे समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता है।
- जातिगत पंचायत एक प्रशासकीय व्यवस्था कम और समाजिक व्यवस्था अधिक नजर आती है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

- झारखंड के प्रमुख जातिगत पंचायत

  ⇒कुर्मी महापंचायत

  ⇒महतो पंचायत

  ⇒तेली–साहु पंचायत

  ⇒मलिक पंचायत

  ⇒मोमिन कॉफ्रेंस

❖ जातीय पंचायत शासन व्यवस्था ज्यादातर उन क्षेत्रों मे देखने को मिलती है जहां जनजातीय एवं गैर–जनजातीय लोग एक साथ एक गांव मे या अगल बगल के गांव मे निवास करते हैं।

© Click on :- Career foundation

जातीय पंचायत के विशेष कार्य

- जाति मे हुए किसी विवाद को सुलझाना
- जब दो जनजाति के बीच विवाद होता है तो उसे सुलझाने का कार्य भी जातीय पंचायत के द्वारा किया जाता है।
- जब किसी जनजाति एवं गैर जनजाति के बीच विवाद उत्पन्न हो जाता है जो विवाद को सुलझाने के लिए जनजातीय पंचायत के प्रमुख पदाधिकारी एवं जातीय पंचायत के प्रमुख के बीच पंचायत होता है ।
- जिन जनजातीयों को अपनी पारंपरिक शासन व्यवस्था नहीं है उनके विवादों को जातीय पंचायत मे निपटाया जाता है।

झारखंड की विभिन्न जातीय पंचायत शासन व्यवस्था

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

1. असुर जनजाति की शासन व्यवस्था

- असुरो की पारंपरिक शासन व्यवस्था – असुर पंचायत
- असुर पंचायत मे प्रमुख पद – महतो ,बैगा, पुजार, गोड़ाइत आदि।
- पांच गांवो के वरिष्ठ इस पंचायत के पंच होते हैं।
- यह पंचायत गांव मे होने वाले विवादों का निपटारा करती है।

2. बंजारा जाति की शासन व्यवस्था

- बंजारा जनजाति की शासन व्यवस्था – सामूदायिक परिषद
- समूदायिक परिषद का प्रमुख – नायक
- नायक का चुनाव बंजारा जनजाति के द्वारा होता है।

- बंजारा जनजाति मे वर्तमान मे एक और व्यवस्था कार्य कर रहा है जिसे बंजारा सेवक संघ कहते है।

3. बथुड़ी जनजाति की शासन व्यवस्था

- इस जनजाति का निवास स्थान – सिंहभूम
- शासन व्यवस्था – बथुड़ी पंचायत
- बथुड़ी पंचायत का प्रमुख – डेहरी
- हर परिवार का मुखिया बथुड़ी पंचायत का सदस्य होता है।
- बथुड़ी जनजाति मे अंतर्ग्राम पंचायत भी होता है जिसका प्रमुख प्रधान कहलाता है।

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का

4. बेदिया जनजाति की शासन व्यवस्था

- बेदिया जनजाति की शासन व्यवस्था – बेदिया पंचायत
- बेदिया पंचायत का प्रमुख – प्रधान/महतो/ओहदार
- प्रधान का सहायक – गोड़ाइत
- गोड़ाइत का कार्य – सुचना पहुंचाना

5. बिंझिया जनजाति की शासन व्यवस्था

- बिंझिया पंचायत का प्रमुख – मादी/गद्दी
- बिंझिया जनजाति में गो मांस पुरी तरह प्रतिबंधित है।

- गोमांस का सेवन करने वाले को पुरी तरह समाज से बहिष्कृत कर दिया जाता है।
- बिंझिया पंचायत के प्रमुख को चुनने के लिए एक समिति होती है। हर घर के वरिष्ठ व्यक्ति समिति के सदस्य होते हैं।
- समिति का प्रमुख – करटाहा

CAREER FOUNDATION
जुनून राष्ट्र सेवा का